नवीकरणीय ऊर्जा और रियल एस्टेट के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे दोनों देश

करार:भारत में 90 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा सिंगापुर

सिंगापुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिंगापुर दौरे के दौरान वहां की कंपनियां भारत में निवेश में खासी दिलचस्पी दिखा रही हैं। सिंगापुर की कैपिटलैंड इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीएलआई) ने बुधवार को घोषणा की कि वह अगले चार साल में भारत में निवेश की रकम दोगुनी करेगी। कंपनी वर्ष, 2028 तक भारत में 11.32 अरब डॉलर (90 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा) का निवेश करेगी।

कंपनी ने कहा, भारत में यह निवेश रिन्यूएबल एनर्जी और रियल एस्टेट सेक्टर में किया जाएगा। समूह के सीईओ ली चौ कून ने कहा, भारत हमारे लिए एक रणनीतिक बाजार है और सीएलआई के समग्र व्यवसाय में भारत बड़ा योगदान है। मोदी ने पहले कार्यकाल में सिंगापुर की यात्रा की थी और अब वह दोबारा वहां पहुंचे हैं। सिंगापुर भारत का छठा सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है।

मोदी की वजह से दुनिया में भारत छाया: नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के छात्र अंकित ने कहा, मोदी से मिलने के लिए हम सुबह पांच बजे उठ गए। उनकी वजह से दुनिया में भारत की मजबूत छवि बनी है। महाराष्ट्र मंडल समूह का प्रतिनिधित्व कर रहे सचिन गांजरपुरकर ने कहा पीएम मोदी ने खुद ड्रम बजाया है। हम इसे रिटायर कर देंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री वोंग को गले लगाकर बधाई दी।

भारत को संतुलित कारक के रूप में देखता है सिंगापुर

सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत को संतुलित कारक के रूप में देखता है। सिंगापुर से भारत का सांस्कृति, भूआर्थिक रूप से जुड़ाव है। सिंगापुर में चीनी प्रभाव देखा जा सकता है। ऐसे में भारत उसे विभिन्न मामलों में एक प्रमुख कारक के रूप में देखता है।
-प्रो. संजय भारद्वाज, सेंटर फार साउथ एशियन स्टडीज, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन जेएनयू

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करने वाला सबसे बड़ा देश सिंगापुर

छोटा सा सिंगापुर भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करने वाला सबसे बड़ा देश है। 2023-24 में सिंगापुर से भारत में 11.77 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है। तीसरी बार पीएम बनने के बाद मोदी की सिंगापुर यात्रा दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाई देने के साथ व्यापार में संभावनाओं के नए द्वार खोलेगा।

आसियान में सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

सिंगापुर आसियान देशों में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सिंगापुर भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद प्रशांत क्षेत्र के दृष्टिकोण में प्रमुख भागीदार है। भारत का वास्तव में दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच एक पुल की तरह सिंगापुर के साथ रिश्ता है। सिंगापुर 2021-24 की अवधि के लिए भारत के लिए आसियान देशों का समन्वयक था, इसने भारत-आसियान संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

9000 भारतीय कंपनियां सिंगापुर में काम कर रहीं

400 से अधिक सिंगापुर की कंपनियां भारत में कार्यरत

इन क्षेत्रों में ज्यादा निवेश : सेवा, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर, ट्रेडिंग, दूरसंचार, ड्रग्स और फार्मास्यूटिकल्स

पीएम की यात्रा अहम क्यों?

भारत एक्ट ईस्ट पॉलिसी पर जोर दे रहा है। इसका उद्देश्य हिंद महासागर में समुद्री क्षमता का मुकाबला करना है। साउथ चाइना सी में चीन लगातार अपना प्रभुत्व जमाने की कोशिश करता रहता है, जिससे उसका कई देशों से विवाद है। इस वजह से पीएम का दौरा अहम है।